प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन

*डॉ0 सलमा नसीम एवं **डॉ0 सन्दीप कुमार श्रीवास

*असिस्टेंट प्रोफेसर, बी0एड0 विभाग, एस0एन0जी0पी0जी0 कालेज, उन्नाव (उ0प्र0)

**असिस्टेंट प्रोफेसर, बी0एड0 विभाग, प्रो. एच. एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ एजूकेशन, कानपुर (उ0प्र0)

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य लखनऊ शहर के प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना है। इस शोध का प्रारूप सर्वेक्षण अनुसंधान है। अध्ययन के न्यायादर्श में प्राथमिक स्तर के 150 शिक्षको का चयन यादुच्छिक न्यादर्श चयन विधि द्वारा किया गया है। प्रदत्तों के संकलन हेतु स्मार्ट द्वारा निर्मित व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी का प्रयोग किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु टी–परीक्षण प्रयुक्त किया गया है। परिणामों से ज्ञात हुआ कि प्राथमिक स्तर के पुरूष व महिला शिक्षको की प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है महिला शिक्षकाएं व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं व सरकारी विद्यालय के शिक्षक अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध है।

संकेत शब्दः– *प्राथमिक विद्यालय, अध्यापनरत शिक्षक एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता।*

प्रस्तावना :–

शिक्षा देश के विकास तथा सामाजिक परिवर्तन का एक प्रमुख कारक है। अतः देश के सही दिशा में विकास तथा समाज का मनोवांच्छित परिवर्तन करने के लिए शिक्षा का गुणवत्तापूर्ण होना आवश्यक है और गुणवत्ता–पूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षक की योग्यता, कार्यकुशलता के साथ–साथ व्यावसायिक प्रतिबद्धता का होना आवश्यक है। यह अनुभव किया जा रहा है कि शिक्षक जितना प्रतिबद्ध होगा उतनी ही उसमें योग्यता आएगी तथा उसकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। इस प्रकार प्रतिबद्धता, कार्यकुशलता और योग्यता ये तीनों परस्पर सम्बन्धित हैं।

NCTE (1998) ने शिक्षक के शिक्षण की गुणवत्ता के लिए उसके दक्षता आधारित तथा प्रतिबद्धता केन्द्रित होने पर बल दिया है। प्रतिबद्धता को परिभाषित करते हुए NCTE (1998) ने लिखा है कि किसी भी कार्य को करने के प्रति समर्पण को हम प्रतिबद्धता कहते हैं। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि शिक्षक शिक्षण कार्य के प्रति जितना अधिक प्रतिबद्ध होगा उतने ही अधिक प्रभावशाली ढंग से कक्षा कक्ष में प्रदर्शन करेगा। यह अनुभव किया जा रहा है कि अगर शिक्षक में व्यावसायिक योग्यता है एवं वह प्रतिबद्ध है तथा उसे शैक्षिक समाज में कार्य करने की शक्ति एवं आज्ञा प्रदान की जाती है तो एक ऐसी श्रृंखलाबद्ध प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है जिसके द्वारा अधिक से अधिक विद्यार्थियों के विकास में उच्चकोटि का अधिगम बहुत ही प्रभावशाली ढंग से देखा जा सकता है।

शिक्षक की प्रतिबद्धता और विद्याार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक सम्बन्ध है (Kushman, 1992)। प्रतिबद्ध शिक्षक छात्र की उपलब्धि हेतु अधिक समय और शक्ति प्रदान करते हैं (Altun, M.2017)। संस्थान और व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्ध शिक्षक संलग्नता और शैक्षिक सफलता को सतत् प्राप्त करने हेतु प्रेरित करते हैं।इस प्रकार शिक्षा के गुणात्मक उन्नयन में शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता की महत्वपूर्ण भूमिक है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षकों से यह विशेष अपेक्षा की जाती है कि वे व्यावसायिक रूप से प्रतिबद्ध रहे क्योंकि यही शिक्षा भावी जीवन की आधारशिला है। यदि शिक्षक इस स्तर पर भूमिका प्रभावपूर्ण ढंग से

निभाता है तो विद्यार्थियों का भावी मार्ग प्रशस्त होता है। इसी के दृष्टिकोण शोधकर्ती ने प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करने का निश्चय किया।

समस्या कथन :–

इस अध्ययन की समस्या को निम्नवत् प्रस्तुत किया गया है–

''प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन।''

उद्देश्य :–

1. प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षक एवं महिला शिक्षकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर ज्ञात करना।
2. प्राथमिक स्तर के सरकारी तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर ज्ञात करना।
3. प्राथमिक स्तर के सरकारी तथा निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर ज्ञात करना।
4. प्राथमिक स्तर के अनुदान प्राप्त तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर ज्ञात करना।

परिकल्पनाएं :–

1. प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षक एवं महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर होगा।
2. प्राथमिक स्तर के सरकारी तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर होगा।
3. प्राथमिक स्तर के सरकारी तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर होगा।
4. प्राथमिक स्तर के अनुदान प्राप्त तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर होगा।

अध्ययन का परिसीमन :–

1. प्रस्तुत अध्ययन का क्षेत्र लखनऊ नगर तक सीमित है।
2. इस अध्ययन में मिशनरी विद्यालय तथा अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यालयों को सम्मिलित नहीं किया गया है।
3. इस अध्ययन में साधारण सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है तथा बहुचरक सांख्यिकी का प्रयोग नहीं किया गया है।

अनुसंधान का प्रारूप :–

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श :–

न्यादर्श में लखनऊ नगर के सरकारी, अनुदान प्राप्त तथा निजी (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों के 150 शिक्षकों का चयन किया गया है।

तालिका–1
न्यादर्श का विवरण

क्र0सं 0	विद्यालय का प्रकार	विद्यालयों की संख्या	शिक्षकों की संख्या		योग
			महिला शिक्षक	पुरूष शिक्षक	
1	सरकारी विद्यालय	10	26	4	30
2	अनुदान प्राप्त विद्यालय	12	48	12	60
3	निजी (मान्यता प्राप्त) विद्यालय	12	59	1	60
योग		**34**	**133**	**17**	**150**

विद्यालयों का चयन क्रमबद्ध यादृच्छिक विधि तथा शिक्षकों का चयन गुच्छ विधि द्वारा किया गया है।

उपकरण :–

इस अध्ययन में शिक्षकों व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापने के लिये स्मार्ट(2000) द्वारा निर्मित व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापने का प्रयोग किया गया है। यह पांच अकों की निर्धारण मापनी है, जिसका प्रसार पूर्णतया असहमत से पूर्णतया सहमत तक है। इस मापनी में व्यावयायिक प्रतिबद्धता के छः आयामों–शिक्षण व्यवसाय की आन्तरिक स्वीकृति, शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व, वास्तविक देखभाल, सर्वोत्तम करने की इच्छा, आधारभूत मूल्यों में निष्ठा एवं उत्तरदेयता, के अन्तर्गत पदों की रचना की गयी है। मापनी में कुल 36 पद हैं, जिन्हें एकांश विश्लेषण द्वारा प्राप्त किया गया हैं। समवर्ती वैधता तथा विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित वाह्य कसौटी से भी मापनी की वैधता देखी गयी, जो 0.79 प्राप्त हुयी। विभक्तार्द्ध विधि द्वारा मापनी का विश्वसनीयता गुणांक 0.85 प्राप्त हुआ है। यह मापनी की उच्च विश्वसनीयता को दर्शाता है।

सांख्यिकीय तकनीक :–

प्रदत्तों का तुलनात्मक विश्लेषण करने के लिये **मध्यमान**, **मानक विचलन तथा टी–परीक्षण (क्रांतिक अनुपात)** की गणना की गयी है।

परिणाम :–

अध्ययन के परिणामों को तालिका–2 से तालिका–5 प्रस्तुत किया गया है।

तालिका–2

प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षक तथा महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्र0सं 0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	पुरूष शिक्षक	17	134.17	13.05	2.13	P<0.05
2	महिला शिक्षक	133	139.29	12.74		

व्याख्या – तालिका – 2 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि पुरूष तथा महिला शिक्षकों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 134.17 एवं 139.29 और मानक विचलन क्रमशः 13.05 एवं 12.74 है इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी–मूल्य 2.13 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षक एवं महिला शिक्षकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि पुरूष शिक्षक और महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है और महिला शिक्षकायें पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं।

तालिका –3

प्राथमिक स्तर के सरकारी विद्यालय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1.	सरकारी विद्यालय के शिक्षक	30	147.8	13.49	2.77	P<0.05
2.	अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षक	60	139.7	10.11		

व्याख्या – तालिका–3 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि सरकारी विद्यालय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान क्रमशः 147.8 और 139.7 है तथा मानक विचलन क्रमशः 13.49 तथा 10.11 है। इन समूहों के व्यावसारिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी–मूल्य 2.77 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर के सरकारी विद्यालय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों को व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।' अस्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि सरकारी विद्यालय के शिक्षक, अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध है।

तालिका –4

प्राथमिक स्तर के सरकारी विद्यालय तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1.	सरकारी विद्यालय के शिक्षक	30	147.8	13.49	1.54	P<0.05
2.	निजी विद्यालय के शिक्षक	60	143.5	10.11		

व्याख्या – तालिका–4 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि सरकारी विद्यालय तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान क्रमशः 147.8 व 143.5 है और मानक विचलन क्रमशः 13.49 और 10.11 है इन दोनों समूहों के व्यवसायिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी–मूल्य 1.54 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर के सरकारी विद्यालय तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों को व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।' स्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि प्राथमिक स्तर क सरकारी विद्यालय तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों को व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। और वे व्यावसायिक रूप से समान प्रतिबद्ध है।

तालिका –5

प्राथमिक स्तर के निजी विद्यालय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1.	निजी विद्यालय के शिक्षक	60	143.5	10.11	1.86	P>0.05
2.	अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षक	60	139.7	12.19		

व्याख्या – तालिका–5 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि निजी विद्यालय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान क्रमशः 143.5 और 139.7 और मानक विचलन क्रमशः 10. 11 और 12.19 है। इन दोनों समूहों के व्यवसायिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी–मूल्य 1.86 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर के निजी विद्यालय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।' स्वीकृत की जाती है, यह कहा जा सकता है कि अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षक, निजी विद्यालय शिक्षकों समान व्यावसायिक से रूप प्रतिबद्ध है।

निष्कर्ष :–

- प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षकों एवं महिला शिक्षिकाओं की व्यावयायिक प्रतिबद्धता में अन्तर है तथा महिला शिक्षिकायें पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं।
- प्राथमिक स्तर के सरकारी विद्यालय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर है तथा सरकारी विद्यालय के शिक्षक अनुदान प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध है।
- प्राथमिक स्तर के सरकारी विद्यालय तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर नहीं है।
- प्राथमिक स्तर के अनुदान प्राप्त विद्यालय तथा निजी विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर नहीं है।

शैक्षिक निहितार्थ :–

- प्राप्त परिणामों से यह ज्ञात होता है कि प्राथमिक स्तर की महिला शिक्षिकायें पुरूष शिक्षिकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं, अतः यह आवश्यक है कि पुरूष शिक्षिकों को भी महिला शिक्षिकाओं के समान व्यावसायिक रूप से प्रतिबद्ध बनाया जाये। आकर्षक कार्य दर्शायें एवं क्रान्ति संतुष्टि प्रदान करके उनकी व्यावसायिक संलग्नता एवं निष्ठा में वृद्धि की जाये।
- अध्ययन के परिणामों से यह भी स्पष्ट है कि अनुदान प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों की अपेक्षा सरकारी विद्यालय के शिक्षक व्यवसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं। अतः अनुदान प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों के लिये अनुकूल विद्यालयी वातारण का सृजन करके उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता में वृद्धि की जाये।

सन्दर्भ सूची :–

Altun, M. (2017). The effects of teacher commitment on student achievement. *Internationl Journal of Social Sciences and Education Studies, 3*(3), 51-55.

Kushman , J. (1992). The organization dynamics of teacher work place commitment: A study of urban elementry and middle schools. *Education Administration Quarterly, 28*(1), 5-42.

Khosla, D. N. (n.d.). National Council of Teacher Education: NCTE Document 98/36 (1998), New Delhi: NCTE.

त्रिपाठी, वी. (2016). शासकीय एवं अशासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों की शिक्षण प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन. *एस.आर.जे.आई.एम., 4*(25).

How to cite reference of this paper-

Naseem, S., & Shrivas, S. K. (2022). प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन. *Educational Metamorphosis, 1*(2), 88-93.